बीज उपलब्धता में आत्मनिर्भर होगा यूपी, पांच सीड पार्क बनेंगे

कैबिनेट ने सीड पार्क स्थापना के प्रस्ताव को किया स्वीकृत

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को लोकभवन में मंत्रिपरिषद की बैठक को संबोधित करते ● सूचना विभाग

कैबिनेट के फैसले

राज्य ब्यूरो, जागरण● लखनऊ : रबी, खरीफ और जायद फसलों के बीज की उपलब्धता के लिए प्रदेश सरकार दूसरे राज्यों पर निर्भरता कम करेगी। बीजों के प्रसंस्करण में वृद्धि के लिए प्रदेश में पांच सीड पार्क स्थापित किए जाएंगे। गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में सीड पार्क की स्थापना के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी गई।

कैबिनेट बैठक के बाद कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया पहला सीड पार्क लखनऊ जिले में स्थित राजकीय कृषि प्रक्षेत्र अटारी की कुल भूमि 130.63 एकड़ में बनाया जाएगा। इसकी स्थापना पर करीब 266.70 करोड़ रुपये खर्च अनुमानित है। सीड पार्कों की स्थापना से अन्य राज्यों पर बीज के लिए निर्भरता कम होगी।

अभी 70 लाख क्विंटल बीज की जरूरत होती है इनमें से 40 लाख क्विंटल ही बीज का उत्पादन हो रहा है। स्थानीय रूप से बीज की उपलब्धता होने से बीज की कीमत में कमी आएगी। इसका लाभ किसानों को मिलेगा। पार्कों में स्थापित बीज उद्योगों द्वारा कृषि क्षेत्र से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डालर के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। कृषि विश्वविद्यालय अथवा कृषि विभाग के राजकीय कृषि प्रक्षेत्र में उपलब्ध भूमि पर उपयुक्तता के आधार पर पांच सीड पार्क 150 से 200 एकड़ क्षेत्रफल में स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है। ये पार्क पश्चिमी जोन, तराई जोन, मध्य जोन, बुंदेलखंड तथा पूर्वी जोन में स्थापित किए जाएंगे। सबसे पहले मध्य जोन में लखनऊ जिले में पार्क स्थापित होगा। सीड पार्क में बीज व्यवसायी को बीज प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना, ताप नियंत्रण भंडारण, स्पीड ब्रीडिंग, हाइब्रिड लैब आदि पर छूट दिया जाना प्रस्तावित है। इससे अधिक से अधिक बीज व्यवसायी योजना से जुड़ सकेंगे। सीड पार्क में बीज व्यवसायियों को बीज प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना, ताप नियंत्रण भंडारण, स्पीड ब्रीडिंग, हाइब्रिड लैब आदि के लिए छूट दी जाएगी। सीड पार्कों की स्थापना से प्रदेश गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन में आत्मनिर्भर होगा और किसानों की आय में वृद्धि होगी। प्रदेश में उत्पादित बीजों को व्यापक बाजार मिलेगा।

70 लाख क्विंटल बीज की होती है अभी जरूरत

40 लाख क्विंटल ही बीज का हो रहा है उत्पादन

130.63 एकड़ में लखनऊ के अटारी में 266.70 करोड़ से होगी पहले सीड पार्क की स्थापना

30 वर्ष के लिए लीज पर सीड पार्क में मिलेगी भूमि

कैबिनेट से स्वीकृत प्रस्ताव के तहत सीड पार्क में बीज व्यवसायियों अथवा संस्थाओं को 30 वर्ष की लीज पर भूमि बीज उत्पादन संयंत्र, भंडारण सुविधाओं, प्रयोगशालाओं व अन्य सुविधाओं की स्थापना के लिए दिया जाना प्रस्तावित किया गया है। लीज की अवधि अधिकतम 90 साल होगी।

छह हजार को प्रत्यक्ष, 15 हजार को परोक्ष रोजगार

एक सीड पार्क में स्थापित उद्योगों से करीब 1200 लोगों को प्रत्यक्ष व 3000 लोगों को परोक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। एक सीड पार्क से करीब 40 हजार बीज उत्पादक किसान जुड़ सकेंगे। पांच सीड पार्क से छह हजार लोगों को प्रत्यक्ष और 15 हजार लोगों को परोक्ष रूप से रोजगार मिलेगा।